

असाधारण ,् EXTRAORDINARY,

भाग I—सण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

स॰ 125] No. 125] मई दिल्ली, सुकवार, जून 14, 1985/रूपेष्ठ 24, 1907

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 14, 1985/JYAISTHA 24, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Pact in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रासय

श्रायात व्यापार नियंसण

मार्च जिंक सूलना संख्या-16-न्नाई टा स (प एस)/85---88

नई दिल्ल, 14 जून, 1985

विषय :- ब्रिहार राज्य जल-विद्युत निगम लि. (बं: एच पी सा.) क. पूर्वी गण्डक नहर जल विद्युत परियोजना के कार्यास्वयन के लिये जापान के विदेश: ब्राधिक सहयोग निश्चि (ब्रीईस एफ) द्वारा गाम किए गए 1 63 बिलियन येन के येन केडिट के ब्रध न जान धीर नेवाधों के ब्रायातों के सबंध में लाइसेंसिंग गर्ती।

मि. सं. भाईप स (23)/(17)/84-85:—िबहार राज्य जल-विद्युन निगम ति क पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युर परियोजना क धायात धावध्यकतास्त्री के वित्तपोषण के लिए जायान क विदेश आर्थिक सहयोग निधि द्वारा लागृ किए गए 1.63 विलियन येन श्रीकट के श्रधीन आयान लाइ में में के पिंगन को शायित करने वाची गर्ने जो प्रस्तुत सार्वजनिक मूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकार। के लिए यश्चिमुचित क जाते हैं।

श्री इन्द्र विपाठं , मुख्य नियंत्रक, प्रायात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय कं: सार्वजिनिक सूचना सं. 16 माई टा सा (पं: एन)/ 85-88 दिनांक 14.6.85 का परिशिष्ट

बिहार राज्य जल-विद्युत निगम लि. (का.एज.पो.मो.) की पूर्वी पांच्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जापान की विदेशों धार्थिक सहयोग निधि (थ्रो.ई.स .एफ.) द्वारा लागू किए गए 1.63 बिलियन येन के येन केंद्रिट के अध न माल और सेनाओं के आयातों के संबंध में लाइसेंसिंग मातें।

खंड-। शामान्य शर्ते:-

1(1) बिहार राज्य हाईड़ो विद्युत शक्ति तिगम लि. (या. एच.पा.सा.) की पूर्वी गन्डक नहर हाईड़ो विद्युतं य परियोजना क आयात आवश्यकताओं के वित्तपोपण के लिए जापान का विदेशं: धार्थिक गह्योग निधि (धोईसीएफ) हारा प्रदान किया गया 1.63 बिलियन येन का ऋण भारत सहित जापान और विकासशील देशों के लिए सामुहिक है। तद्नुसार, इस केंडिट के धधीन अधिप्राप्त क जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्गुत सभा देशों भारत सहित से आयात की जा सकता है। वे देश इस ऋण के धेतर्गत पात स्रोत देश होंगे।

1(2) केडिट के ध्रधीन केवल उन्ही मदों और उसी मूल्य के लिए लाइ-सेस जार। किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेसालय, तकनीक. विकास/पूंजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप मे निकास कर द. गई हो। इस केडिट के ध्रध त जार किए गए ध्रायात लाइसेंस (मों) का मूल्य 1.8 विलियन (लागत ब मा-बाडा) येन मे अधिक महीं होना चाहिए।

प्राप्ताल लाइमेंन का रुपये में मूल्य, राजस्य विभाग (स मा-मुल्क) द्वारा प्रशिसूचित विनियम दर धौर सायात लाइसेंस जार। करने के तिथि को प्रचलित दर धौर मुख्य नियंत्रक, धायात निर्यात द्वारा जार, क. गई सार्यजनिक सूचना सं. 78-छाई ट. स. (प एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के धनुसार प्रायात लाइसेंस में संकेतित दर पर निर्धा-रित किया जाएगा, जिसमें यह भा उन्लेख है कि सीमा-शुक्त प्राधिकार धौर विदेशी सुदा के प्राधिकृत क्यापारं ब्रायात लाइसेंस (सों) में चिनि-र्दिष्ट सुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस के भूत्य को उसके नामें डालेंगे। लाइसेंस पर एक मीर्षक "जापानी येन केडिट सं. घाई डा- पा 31" होगा। प्रथम धौर दिव्रतीय प्रत्येक के लिए लाइसेंस में "एस/जेस." कोड होगा। धी एन पा सा को घायात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक द्यायात निर्यात के पत्र में भा इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति विस्त मंत्रालय, धार्थिक कार्य विभाग (जापान धनुधान) को पृष्टांकित का जामी चाहिए।

- 1(3) लागत-क्रिमा-भाडा के ब्राधार पर केवल क्रिंग् एच पा में के नाम में लाइमेंस आरा किया जा मकता है।
- 1(4) नो एच पी मा का सुनिधा पर निर्भर करने हुए एक से प्रधिक प्रायात लाइमेंन केडिट के बाबे.न जारा किए जा नकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.8 निलियन येन (लागन नामा भाड़ा) ने प्रधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि उत्पर पैरा (1) में कहा गया है।
- 1(3) पूंज गत माल के प्रायात के लिए लाइसेंस 24 मह नों के प्रारंभिक वैधना प्रविध के लिय जार, किए जा सकते हैं। प्राये और वृद्धि करने के लिए नया प्रायान लाइसेंस जार। करने के लिए प्रनुरोध यदि कोई हो, प्रायिक कार्य विभाग (जापान श्रनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।
- 1(6) केडिट के प्रधान विल्लावान किए जाने वाले प्रायात, प्रायात लाइसेंस प्राधिकारा द्वारा विधिवा सत्याधित सैवाद माल प्रीर सेवादों क. सूर्वा तक प्रतिबंधित है।
- 1(7) विदेशः मुद्रा के कितः मः। परेषण कः मन्त्रति आयात लाइसेंस के प्रित नहीं द जाएगः। भारत य सिकर्ता के कमें। सन के प्रति कोई भा मुगतान भारतीय सिकर्ता को भारतः, य रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मृत्य के ही भाग होंगे ब्रौर इसलिए लाइसेंस पर हः प्रधारित किए जाएगे।
- 1(8) पक्के मादेश मनुमध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशों संभएकों को जहाज पर निश्क सागत भीर भाड़ा के माधार पर दिए जाने जाहिए और वे मायात लाइमेंस जारा होने के तिथि से 4 मह नों के भविष के मीतर माधिक कार्य विभाग (जापान मनुभाग) को मेज दिये जाने चाहिए। ब मा प्रभार का मृतनान भागतीय रुपय में मारत में देय होता। "पक्के मादेशों" का मर्थ विदेशों संभरकों को भारताय साइसंसधार। हारा दिए गए हान ऋस आदेशों से है जो विदेश, संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारत य भागतिक और विदेशों संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित का संविदा हो। विदेशों संभरकों के भारत य माधा-कर्तामों को प्रादेश या एसे मारतीय माधारतीय छारा पुष्टिकरण मादेश स्वीकार्य नहीं हैं।

- 1(9) चार महीनों की भवधि के भीतर ठेकों के इस सर्त का सब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा आएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज श्रायात लाइसेंस जार होने की निधि से चार महीनों के भीतर विस्त मंद्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान प्रनुभाग) को न पहुंच जाएं। यदि उपर्युक्त पैरा 1 (8) मे यथा उल्लिखित पक्के बादेश किन्ही वैध कारणों से नहीं विए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर भादेश क्यों नहीं दिए आ सके। इन कारणीं का उल्लेख करते हुए लाइमेंसधारः को मायात लाइमेंस की संबद्ध लाइसेंस प्राधिकार को प्रस्तुत कर देना चाहिए। ग्रादेश देने क अवधि में बृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पाल्लमा के भाधार पर विचार किया जाएगा वे भश्रिक से मिधिक चार महीनों की ग्रीर भवधि के लिए बृद्धि प्रदान कर सकते है। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने क तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिये मांग जात है तो ऐसे प्रस्ताव निरप-वाद रूप से लाइसेंन प्राधिकारियों द्वारा विस्त मंत्राजय धार्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नार्थ ब्लाक, नई दिल्ल, को भेजे जाएंगे जो कि ऐसः वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले कः पान्नता के बाधार' पर विचार करेंगे और प्रपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगें। जिसको वे लाइसेंसघारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसघारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्न प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी ग्रौर विभागीय पदा⊸ धिकारी, भाषात लाइसेंस के भधीन किए गए संभरण ठेकों मे बैक गारटी साख पत्र स्थापित करने के सिए प्राधिकार पत्र तुल्य रूपया जमा कराने श्रादि की स्वीकृति की सुविधान्नो की अनुमति देगे।
- [1(10) श्रायात लाइमेंस के समाध्ति से चार महीने के भीतर सभा भुगतान श्रवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग श्रवतान श्रवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग श्रवतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होन चाहिए। विदेशी मंभरक से भारतीय श्रायातक को किसा भा किस्म की ऋण मुविधा उपलब्ध करने की श्रनुमित नहीं व जाएगा। माल के वितरण का सविध के लिए ठेके में निम्न- निश्चित श्रनुमार व्यवस्था होनी चाहिए:-

पोललदान के लिये प्रास्तिर तिथि निस्तित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31.12.88 के बाद का न हो।

श्रंड−2 संभरण का समझौता करते समय ध्यान में रख जाने वाल वाले

- 2(1) ठैके का जहाज पर्यंन्त नि:शुल्क मूल्य लागत भीर भाइ। मृल्य येन में (येन क मिन्न के बिना) प्रभिष्यक्त होना चाहिए धोर इसमें भारत य प्रभिक्ती का कम मन यदि कोई हो तो वह सामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारत य रुपय में चुकाना चाहिए। भारत य रुपए या किसी अन्य मुद्रा मे ठैके का मृल्य किस भा परिस्थित में प्रभिष्यक्त नहीं होना चाहिए। अस आदेश भीर संभवक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेज में हुंना चाहिए।
- 2(2) पूर्वी गम्बक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिये थो ई सं एफ वे येन केबिट के श्रेष्ठ न विस्तुपोधित किए जाने वाले सम साल और सेवाथों के स्विधापित भी ई स एफ ऋण के श्रिक्षीन अधिप्राप्ति के लिये सागैवर्शन विक्रुओं के अनुसार कः जाएग ।
 - (क) द्यायातक सामान्य खुली द्यंतरिष्ट्रय निविदा के माध्यम में ऋण की रक्षम में से वित्तपीयित किए जाने वासे भाम द्यौर सेवाझों क श्रमित्राणित करेगा।

- (अ) यदि भाषातक सामान्य सुली ग्रंतर्राष्ट्र य निविदा से भिन्त श्रविप्राप्ति कियाविधियां प्रपनाना चाहना है तो वह अधि-प्राप्ति पद्धतियों के अनुमोदन के लिये एक विधियत प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित ब्रावेधनपत्र मार्थिक कार्य विभाग के माध्यम से निधि को प्रस्तुत करने हुए उसमे पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेगा।
- 2(3) विदेशं, संभरक का भुगतान, उनके नाम में भारत य बैंक टोकिसो द्वारा 1984 – 85 के लिए मी ई.स. एफ येन केंद्रिट (परियोजना सहायता) सं. माई डी पी-31 के मधीन खोले गए मपरिवर्तनः य साखपन्न के माध्यम से किया जाता चाहिए जिसका व्यौरा नीचे खंड-- 7 में दिया गया है।
- 2(4) प्रायात लाइसेंस के प्रति केवल एक हैं। संविदा की जानी चाहिए। लैकिन कुछ विजेय मामलों में एक से मधिक संविदा करने का भनुमित भा दी जा सरुतः है। जिसके लिये अध्यात लाइसेंस जारः। होते का तिथि के तुरन्त बाव बित्त मंत्रालय धार्मिक कार्य विभाग 🕯 (जापान विभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) **संभर**क की पानता

संभरक पाझ स्रोत देशों के राष्ट्रिक होंने या पाझ स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत वेशों के राष्ट्रिकों हारा मासित कै। ध्यक्ति होंगे।

2(6) अपात स्रोत देशों से अनुमय आयाह

जिन बस्तुओं में अपान्न स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उमका विनदान किया जा सकता है बगलें कि निम्नलिखिल सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक कामूल्य मदवार आधार पर आयातित माग ३० प्रतिशत से कम हो :-~

आयातित लागत योगा भाड़ा मूल्य 🕂 आयातक - × 10 n संभरक का जहाज पर निःगुल्क मृत्य

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाने पर कीमत अपनाई जाएगी ।)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक मंत्रिया में संसरक द्वारा माल एथं संभरक की पालता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित बोषणा जोड़ी जाऐंगी मैं, अओहस्तक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता है कि संभरित किया

कार्न वाता माल ::::::::(मंबंधित पास्र स्नोत **देश का**

नतम) में उत्पादित है।

मैं, अधारहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करना हूं कि मेरी पूरी जान-कारी और विश्वास के अनुसार अपान स्नीत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित संक्ष के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:---

आयातित लागत-बीभा माडा मूल्य-भावात भुल्क संगरक का अहाज पर निःशुस्क मृत्य (जहां कारखाना मूरुप लागृही)

मैं, अधोहस्ताअरी, एसद्द्वारा सत्यापित करता हूं कि 😬 😬 (पाल स्रोत देश का नाम) में '''' (कम्पनी का नाम) समा-विष्ट और पंजीकृत हो चुकी १९ और (पात स्रोतदेश कानाम) के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खोड 3 संभरण ठेकों में समाबिष्ट की जाने वाली गर्हें

3 (1) संभवण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समा-विष्ट होने चाहिए :

- (क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापानकी विदेशी आर्थिक सहयोग निश्च (ओईसीएक) के बीच की एच पी सी की पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिये येन केंडिट सं. आई डीपी-31 (परियोजना सहायता) से संबंधित-26 विसम्बर, 1984 की हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयांग निधि के अनुमीदन के अधील होगा।
- (ख) संभरकों को भुगतान, भारत सुरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ऑर्डसीएफ) के बीचयेन केंब्रिट 114 सं, आईडीपी-3) से संबिधत 26 दिसम्बर, 1984 को हुए अपूरण समझौते के अन्तर्गत कैंक आफ इंडियाटोकियोदास जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय मः बापक्ष के माध्यम से किए जाएंगे।
 - (ग) संभएक ऐसी सूचना और दस्तावेखों की प्रस्तुत करने के लिए सहमत् होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और व्सरी ओर ओईसीएक द्वारा येन ऋण के कर्धन अपैक्षित हों।
 - (ब) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्न में प्रमाण पत्न (तीन प्रतियों में)।
 - (इ) यदि फिर्सा मामले में संभरक आपान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि आपानी संभरक भारतीय दूतावास, टीकियो के परामर्ख पर पात परिवहन व्यवस्था करने के लिए महमन है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूताबास टीकिए को ज्ञामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से अधगत करायेगा और पील लवान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूरावास का सुचना देगा जिससे कि उचिन स्थवस्या हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छूक हो, सूचना की इस अवधि को कम कियाजासकक्षा है जापालीसम्भारक को प्रत्येक पोसलदाम के पश्चात् आवश्यक स्थीरे वंते हुए नार से सूचना भेजने के लिए सहमत हीना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।
- भ्राण्ड-4 विदेशी आर्थिक सहसोग निधि (आईसीएफ)द्वारा टेकेका अनुमोदन
- 4(1) लाइसेंसधारी को पनके आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के मीतर कीएचपीसी और संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ता-क्षरित टेके की चार प्रतियां जो संमरकांक्षारा लिखिल मे पुष्टि आदेश के साथ हों या उसकी हर प्रकार से पूर्ण फीटो प्रतियां संगत बैध आयात लाइसेंस की दो फीटो प्रतियों सहित, जापान अनुमाग आर्थिक कार्य विचाग, वित्त संज्ञालय नार्थ ब्लाक, नर्ध दिल्ली किं। भेजनी चाहिए।
- 4(2) उपर्युक्त कियाचिष्ठि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय-बस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों केकारण संशोधनों या उनकी कीमतो पर भी लागृ होगी।
- 4(3) वित्त संज्ञालय (आर्थिक कार्यं विभाग) जापान अनुभाग बीएचपीसी की पूर्वी गरकक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिए येन केडिट सीआईडीपी-31 (परियोजना महायला) के अस्तर्गत वित्तपान सहकारिना करने के लिए विदेशी आर्थिक निधि (आईमीएफ) को संविदा दस्मावेजों की एक प्रति उनके अनुमोदन के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा।

थण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान-साख पत्र कियाबिधि

5(1) विवेशी आर्थिक सहयोग सिधि (ओईसीएक) से ठैके के अनु-मोदन की सूचना मिलने पर विक्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा बीएचपीली और सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, को उसकी सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बीएचपीली को सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक (जिसे क्रमके बाद सीएएएएड ए कहा गया है) आधिक कार्य विभाग, जिस मंद्रालय, यूसीओ बैक विल्डिंग, संसद मार्ग नई विस्ती से अनुबध-3 के रूप में संलग्न प्रपत्न में प्राधिकार पत्न जारी करने के लिए अनुरोध करना चाहिए। जो संबद्ध विदेशी, संमरक के नाम में मंलग्न अनुबंध-4 (आयातों के लिए) के रूप में या अनुबंध-5 (संबाओं के लिए) के रूप में या अनुबंध-5 (संबाओं के लिए) के रूप में या अनुबंध-5 (संबाओं के लिए) के रूप में आपिक में जाना चाहिए। प्राधिकार पत्न की प्रतिया विदेशी आधिका सहयोग निधि (ओईसीएफ), भारतीय दूतावास, टोकियां बी एचपीली भारत में आयातक के बैंक और आपान अनुमाग, आधिक कार्य विभाग, विस्त मंद्रालय को भी पृष्ठोंकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्न मिलने पर बैंक थाफ शिष्डया टोकियो अनुसध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विवेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साध्यपत्न की स्थापना करेगा और उसकी एक-एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (अहिंशीएफ) भारतीय दुनावाम, टोकियो भारत में आयातक के बैक और महायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक की मी भेजेगा।

सी ए ए एण्ड ए से प्राधिकार. पत्न के आधार पर शाखपत खोसने के लिए उपर्युवत कियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवस्-यक नमझे जाने बाने ऐसे सभी प्राधिकार पत्न/साख पत्नों के संशोधनों पर स्वतः लागू होती।

- 5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संशरक अपने वैंकरों के माध्यम से साख पत्न में उहिलाखित दस्तावेज भूगतान के लिए वैंक ऑफ इंडिया टोकियों को प्रस्तुत करेंगों। यदि दस्तावेज सहो पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियों दस्तावेजों में उहिलाखित धनराणि को विदेशी संगरक को उसके बैंकरों के माध्यम से रिलीज करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराणि की प्रतिपृत्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।
- 5(4) साख पत्र खोलने, उसके अधीन सौदा करने और यदि कोई विदेशी संगरकों के वैकरों के अप प्रभारों के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को देय वैकिंग प्रभार अयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए आएंगे। उस अवधि के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को देय वैंक प्रभार जो कि उनके द्वारा आयातों की कीमत के मुगतान की तार्राख से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरकों को प्रतिपूर्ति की तार्राख तक होगा, का निपटान, भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किए विना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के साध्यम से बैंक ऑफ इंडिया के लिए प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के संबंद्ध बेंक द्वारा किया आएगा।

5(5) प्रति पृति कियाविधि

भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए कियायिधि, ऋण समझीते के साथ नत्थी की गई प्रतिपृति कियायिधि के अनुसार होगी।

प्रति आपानी येन के लिए भारतीय रुपए की लिनिमय दर, निर्देश (गाइ डलाइंस) की धारा 4.07 में यथा विधिष्टिकृत बोली खुलने की कारीख को प्रचलित दर होगी। प्रतिपृत्ति के लिए आयेवन के साथ ऋणी मान्यताप्राप्त वैंक से एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करेगा जिसमें बोली खुलने की दारीख को येन रुपए की विनिमय दर का गत्यापन किया आएगा खण्ड-६ ६९मा निभोप करने के लिए उत्तरदामित्य

6(1) भारतीय बैक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्न के परिणिष्ट में संकेतित अनुमार आयांतक के प्राधिकत बैंकर को निराधाद रूप में परकाम्य जहाजरानी बस्ताबेज रिहा होने में पहले इस ताम को मुनिधिका करेगा कि भारतीय रिजर्ज बैंक, नई दिल्लो या भारतीय स्टेट बैक, तील हजारी, विस्ती में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिस्त प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समनुस्य रुपए के लिए स्थाज प्रभार और वास्तिवक रुपया निक्षेप की सारीख से विदेशी संभरक को बैक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिस्त की दर से ब्याज प्रभार की मूल धनराणि के माथ मार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (भी एन)/83 दिनाक 10-8-33 के अनुमार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दीनों विनी अर्थात जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस नारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (भी एन)/74 दिनांक 12-10-74 द्वारा यथा संशोधित मार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (भी एन)/74 दिनांक 31-5-74 के अनुमार ब्याज लिया जायेगा।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई। परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दियः जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देव अनराशि आयातकी की आयात दश्तावेज सौपने से पहले सरकारी खाते में ठाक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चिस कर निना चाहिए कि देव धनामा अपने ऋणदाताओं से वस्तावेकों की सुपूर्वनी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई हैं। यह स्तिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरन्त जमा कर को गई है भक्ते हो जब वे विशेष परिस्थितियों के अंत-र्गत सीमा गुरूक प्राधिकारियों से माल की मुपूर्वभी प्राप्त करते हैं। यदि अध्यातक सरकार को देय धनराधि को माल की सुपूर्वनी क्षेत्रे से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्न देना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस आरी न किए आएं। जिस लेखा कीर्य में उपर्युक्त रुपया निक्षेप अमा किया जाएगा छह "के डिपॉजिट एंड एडवांसिसक-843-सिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट फार परचेजिज एटस्टा एक्रोड परवेज एंडर केंडिट्स/सोन एग्रीमेंट" "सोन किया जिल्ला सर्वमेट ऑफ आपान 1.63 बिलियन येन केडिट सं. आई डी-पी-31 फार दि ईस्टन नंडक केनाल हाईड्रोइलैंक्ट्रिक प्रोजेक्ट" होना च।हिए ।

- 6(2)' अपर जिल्लिख धनराशिया तो भारतीय रिजर्स बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हंगरी, दिल्ली में पालान के उत्पर बाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, मं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनाक 5-10-71 सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 भीर सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यपा निर्धारित तरीके में जमा होना काहिए।
- 6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी माग किए जाने के बाद मात विनो के भंकर संबंद भारताय येक भी उत्तर मिर्झारित मरोके से यह अतिरिक्त धनराण सेवा खनी के निमित्त क्षेत्रेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न कालमों को भरते नमय आग तकां/उनके येकरों को इस बात का मुनिरिचय कर क्षेता चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-बाई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित

सूचना चालान के कालम "बन परेषण और प्राधिकारीं (यदि कोई हीं) के पूर्ण ब्योरे में निरंपबाद रूप से निविध्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित क्योरे निरंपबाद रूप ने प्रस्तुत करने चाहिए:---

- (क) जिस मंत्रालय के प्राधिकार पन्न की संबंधा और दिनांक ।
- (ख) येन मुद्रा की जह धनराणि जिसके संबंध में अपनाई गई परि-वर्तन की दर के माथ निक्षेप किए जाने हैं।
 - (ग) थिदेणी संभरक को भुगतान करने की सिथि।

उसके पश्चात् सी ए ए एंड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्न का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पीत परिवहन दस्तावेजी की संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा भारते का संध्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा की ए ए एंड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आसातक, के बैंक की यह मुनिश्वस करना चाहिए कि रूपए का निक्षेप भारतीय बैंक, ट्रांकियों की अदावनी की सूचना ऑर अपरिवर्तनीय पोनलवान दस्तवेजी की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरम्याद रूप से किया जाना बाहिए और यह कि इसके तत्कालबाद सी ए ए एंड ए विक्त मंद्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्लीको सुचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंद भारतीय बैक्ष की लाइनेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर राया निक्षेपी की घनराशि का पृथ्ठोंकन करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपन्न भारतीय रिजर्य बैंक बंबर्य को भेचना चाहिए।

खड-७ विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस को उपयोग करने की स्पिटि

आयातक का पोतलवान और उसके अर्थान किए गए भुगतान और ग्रेप धनराशि के अर्थ में सत्त्व-पन्न खोलने के बाद एक माभिक रिपोर्ट सत्ववता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, विक्त संत्रालय, यू. सी. औ. बैंक विस्टिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली की भेजनी चाहिए।

7(2) लंभरकों को विशेष णतें श्राधिनूचित करना

लाइसेंसबार, को श्रायान लाइसेंग में बिए गए उन विशेष उपबंधों से संभाक की अक्षात करा दना चाहिए जो लेन-रोन करने में संभरक पर प्रथाव कालने हीं ।

7 (3) विषाः

यह समझ लेना चाहिए कि लाउसेंसधारः सीर संभएकों के ब.च कोई विवाद उठेगा नो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व महीं सेवी । भारतीय बैंक, टीकिया द्वारा किए गए भुगसान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली मर्ते प्रमुखंध II में "भुगतान के मर्ते" के घन्नगैन अच्छ तरह से स्पष्ट कर लेन चाहिए । संविदा क मार्नी में विवाद के निपटान से लंबद ब्यवस्थाएं मामिल होने. चाहिएं।

7(4) भविष्य प्रनुदेश

प्रापात लाइमेर या उसके संबंध में उठ खड़े होते वाले किंग मामक्षे या तम सामली में संबंधित पा त्राप.त. प्राधिकारियों के साथ येन केडिट समझीन (परियोजना सहायता) में. घाई टं-प 31 के भ्रष्यंत सुमान माभारों को जापात के विदेशी भाषिक सहयोग निधि (भ्रो ई सः एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार हारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइमेसझार की तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) चतिक्रमण या उसलंघन

उपयुक्त खण्डो में निर्धारित का गई शर्तों के श्रांतिश्रमण या उल्लंबन करने पर श्रायात-निर्धात (नियंत्रण) यधिनियम के श्रध न उचित कार्येबाई का जाएका।

- 7(६) प्रनुबंधों क, सूच.
- (1) अनुबन्ध-1 पान स्त्रोन देशो क सूच.
- (2) अनुबंध- 2 अधिकार एवं जार करने के लिए भनुरीध
- (3) अनुधन्ध-अ प्राधिकार पतः का प्रपक्तः
- (1) श्रनुबंध-4 साख पत्र का प्रपत् (श्रायाती के लिए सागू)
- (5) धनुबंध-- 5 साख पत्न का अपन्न (मेनाघ्री के लिए लागू)

अनुबंध-1

पान्न स्रोत देशों कः सूच

- (क) विकासमाल देश तथा उनके क्षेत्र
- (क-1) विदेण, भ्राधिक गहुगाग में भिन्न विकासणाल देश
- अफ़ का, उत्तरः सहारा मिश्र मोरोको तुन णिया

2. द्रफ़ का, दक्षिणः सहार। द्रमोला

कैंम रन ====

414 C-

मध्य गिन (1)

धाना

कीनिया

मान्तागासः गणतंत्र

मारिनेनिथा, मार शय

पुर्ने सन्। गिनः

युनाण्डा

सेनेगल से

सीमालिया

टैर। भाफर्स भोई इस्सास

तनजानिया गणतंत्र संध

जाम्बिया

थोत्मवाना

केप वर्धी क्रांप समूह

कमोरो द्वाप समूह

इथोपिया

निन,

नेसीय:

मालाव(

मजस्बक

रियनियम

मेंट[े] हेलिना भौर

ह्रेप (2)

संचिलित

सुडान

होती -

.1 11

श्रपर बील्डा सुरण्डः

केन्द्रय अफ़्रीका गणतंत्र

कांगी, बाहोने का गणतंत्र

ार्शम्ब*या*

श्राध्येतः कास्ट

लाईब रिना

मान्त.

नाइज र

रा देखिया

```
माभ्रो टोम भीर जिन्तइप
सिगरा लिग्रोन
रवाजीय र
धुनास्यः
मारुरे गणतंत्र

 समेरिका, उत्तर और उन्द्रथ

वेहमम
बरमुद्धा
डोमिनिकन गणतत्र
ग्वाटेमाला
जमै हा
नी देरलीड अन्टिल ज
संट पियरो और निकेलान
महन्माद राजन (1)
क्राधित (2)
बारवाडा ज
कादास्क
एक सल्बाडीर
हेत
माटिनिक
निन्तरम्बा
हिन डाइ भीर
टोवागी
वेलाइज
गयवा
यवाहलीय
होन्द्रस
वैस्थिको
ातामा
ोल्टइन्डन (शास)−
एन धाई ई
(।) पहले स्पेक्त कि के प्रदेश फरील्डा में द्वाप सहित
( 🚊 ) निम्निसियन हे पा सहित .--
    भ्रमेन्ज्ञन, ट्रिम्बस्डा ६। एचंतस्थलम नाइटिनोज, गफ
(3) मुख्य द्वाप समृत, भनवा वीलाइरे, क्यराकोष्ट्री, साला, रोस्ट ध्रुटापिट
    सेन्ट मार्चटन (दक्षिण पान)

    प्रतियः प्रमेरिका

धर्जेन्ट ना
चि र।
कामिना गुयाना
OF to
धां सविया
क्राम्बर्धाः
गुभाना
Afrani
ब्राज स
फाल्क लैण्ड हुए समृह
पुरावर्ग
 रुभरसे

 माय-पूर्वी एणिया

भहर न
लगनान
मनाइटिप प्रस्व श्रीमराम (३)
हाभागाइन
```

```
श्रोमन
यमन ग्ररब गणतंत्र
जोर्डन सिरिधाई धरव गणतंत्र
यगन जनवाद का
ड, भ्रार (4)
६. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
वर्मा
नेपाल
बंगला देश
भारत
पाकिस्तान
भूटान
माल द्वप
श्र/लंका
7. सुदूर पूर्वी एशिया
बरून:
कोरिया गणतम्न
मलेशिया
ताइयान
वियतनाम गणतंत्र
हागकाग
लाम्रोम
फिलिपाइन
थाइसँग्ड
वियतनाम जनवादः गणतंत्र
खमेर गणतंत्र
मकाश्रो
सिंगापुर
निमोर
8. मोसिनिया
कोक इ.प समूह
फ़ारिस, पोलिनेशिया (5)
ल्यू हिकिसिम (कि. भीर प्र
पापुना न्यू गिनी
वालिस भौर फुतुना
फि ग
नारू
निपु
सोभोमन इत्य सभृष्ट (बा)
पश्चिमः सागोमा
गिल्बर्ट घीर इलाइस इंप
न्यूकेलेण्डोनिया
क्यैलिपिक द्वाप समूह
(सयुक्त राज्य) (6)
9. युरोप
साइत्रस
```

मास्टा

युगोस्ताविया

जिक्राल्टर

स्पेम ज क तुर्की

- (1) मृबय द्व.प एन्टिगुबा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, मेन्ट किट्स (सेन्ट किस्टोफो)] नेबिस-अंग्इला, मेंट लुमित्रा भीर मेंट किसेन्ट
- (2) मेन घाईलैण्ड मॉन्तेसरत, मेपान, तृकी घीर काइकोण घीर ब्रिटिण रिजिन द्वप समूह ।
- (3) श्रजमन, दुबाई फुजाइरन, राम श्रन मेगाह, णरशाह श्रीर उप अल क्लेबेन।
- (4) घदन भीर विभिन्त सन्ततन ग्रीर प्रमोरात सहित।
- (5) मोनायटी आई लैंडस समृह (ताहिनी महिन) को शामिल करते हुए प्रास्ट्रल इ.प. समृह, टुआमोट, जाम्बियर ग्रुप भीर माकेपस इ.प. समृह।
- (6) पैसिपिक द्वाप समूह का ट्रस्ट प्रवेश, कारोल न द्वाप समूह, मार्गल द्वाप समृह ग्रीर मेरिना द्वाप समृह (गाम को छोड़कर)
- (क) 2—क्योंप ईंस के सर्वस्य या सहयोग **देश**

क्रम्जे रिया

गेबोन

वेस्पृद्धाः

क्वैत

स्राब्-धावः

बोलिविया

नाइज रिया

ईरान

फतर

इन्डोनेशिया

ल नियार्ड घरन गणतंत्र

इक्वेडोर

ईराक

सऊद भरव

अनुबंध 🤉

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आबेदन

संबंधा 🕶 \cdots 💛 💮 💮 💮 विनोक्तः 🕬 💮 💮

मेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, विक्त संज्ञालय,

आर्थिक कार्यं विभाग,

यू.मी.ओं बैक बिल्डिंग, प्रयम मंजिल,

पासियामेंट स्ट्रेट, नई फिल्ली-110001

विवयः—पेन केडिट ग. आई. डी. पी. 31 (1984-85 के लिए परि-योजना सह यो।) के अंतर्गत जोपान से ''' का आयान

महोदय,

कपर जिल्लिखन येन कैडिट सं. आई० थीं. पी. 31 (परियोजना सहायता) के अधीन '''' में '''' आग्रात के सम्बन्ध में '''' बिंक का नाम ''' जो कि बहा होना चाहिए को नीचं (क) में सम्बन्ध समृद्रपार संगरक के नाम में साख पत्न खोलने के लिए किया गया है, को प्राधिकार पत्न जारी करने के लिए हम आपका निम्नलिखित ब्यार प्रस्तुत करते हैं:--

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

- (क) आधान लाइसेंस की संख्या विशांश और मूस्य और वह नारीख जिस नौक वैत्र है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके क्या बहें सीधे क्रय या शीषकारिक खली अन्तरिष्ट्रीय निविदा पर आधारित हैं इसके मामले में यदि कोई कारण हो ना कारण महित यह उल्लेख होता बाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्यक्त न्यूननम तक-नीकी प्रक्षाब के आधार पर किया गया है।
- (ग) माल क संक्षित विकरण
- (४) माल का उद्गम देश
- (म) यदि कोई हो नो,पाल से इतर स्लोन देखों से अप्यापित संघटको का प्रतिशत।
- (७) संविदा या कुल प्रहात पर्यन्त निशुस्क/लागश एवं भाषा मध्य (येन में)।
- (अ) भारतीय एजेस्टों के कसीभन की धनराशि (बेन में) यदि कोई द्वी।
- (भ) समुद्रपार संगरक को देश वास्तविक जहाज पर्यन्त निज्ञुल्क/ लागन एवं भाडा मृत्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मोगा गया है।
- (ण) समुद्रपार के संभरकों के गाथ की गई मंतिका की संख्याएयं विसाक।
- (ट) समुद्रपार के संभरक का नःम और पता
 - (1) राष्ट्रिकता
 - (2) पात स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा लिए गए शैयरों का प्रतिशत
 - (3) प्रतिनिधि की रम्द्रिकता और/या सं_सरक का निवास स्थान ।
 - (4) उन निवेशकों का प्रतिशत जो पाल स्त्रोत वेशों के राष्ट्रिक हैं।
- (ठ) वे भुगतान शर्ते और संभावित तिथियां जिनकों सविदा के अन्तर्गन भुगतान देय होंगे।
- (४) सुपूर्वनी को पूर्णं करने की प्रत्याशित तिथि
- (इ) बैंक आफ इंडिया, टीकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तात्रेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए।)
- (ण) पोतलकान अनुदेश (वाहनान्तरण/पर्ट-शिपोट को अनुमित दी गई है या नहीं निर्विष्ट फीजिए।)
- (त) भारत में आयातक के बैक का नाम और पता
- (स) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गंत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों की अधिसूचिन कर दी गई है, यदि हा तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संवत, दिनांक और मन्य और वित्त संवालय का यह संवर्भ जिसके अन्तर्गंत औ ई मी एफ की इसे अधिसूचित किया गया है।
- (द) क्या माख-पत्र के संभालन और रख-रखाय के लिए बैक अफ इंडिया टौकियों को वेय कैक वर्चे आगतकों/या संभारकों द्वारा बाहन किए जाने हैं।

(च) आयसक द्वार वचनवद्वनः--

"हम एनवध्दारा सरकार द्वारा निर्धारित नरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगत न के समतुत्य रूपये को पूरा और सही जमा करने का वजन देने हैं। परोक निक्षेप साल (आय नित सामग्री) की सुपुर्दी सौंपने से पूर्व तरकाल ही धनराणियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेव भों के लिए भुगत नों के सामने में, दिए गए ज्योंही विदेशी संगरकों के साम्बद्ध वीवक हमारे द्वार अनुमोदिन कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएं दी जाएं।

अनुवंध-3 (प्राधिकार पत्र का प्रपत्न)

मं । एक भारत सरकार विसा मंत्राक्षय आर्थिक कार्यं विभाग नहें दिल्थे।, दिनोक

मेवा में,

वैंक आफ इकिया, टोकियो शास्त्रा, टोकियो (जापान)

विषय--येत केडिट (परियोजना सहयता) ऋष्ण करार सं. आर्ड दोषो 31 के अधीन आधातसम्ब पत्र खोन्ने केतिए प्राधिकार पत्र जारे करना

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक का निर्मण समझौते को मती के अनुसार आपको एतद्दारा यथासंलग्न ध्यौरेके अनुसार सर्वश्राः के नम में अधिकतम येन धनराणि के लिए अपरिवर्तनीय सखाप्त खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

आपको बैंक बारा खोले गए प्रत्येक संख्यात की पति आपति के बैंक औ. ई. लो एक भारतीय दतलास, टोकिया और उस पृष्ठिति की जाए।

स खारत की यातों के अनुसार प्रारम्भ में सभरकों को भूगतान आपकी निधि से किया पाएगा भुगतान के माथ जो ईसी एक की आव-स्वक दस्त बेज बेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपृत्ति का बाबा नकाल करना चाहिए।

सभरक का अपने हारा किये गये भुगतान की तिथि से भी है सो एफ द्वारा आपकी उनकी प्रतिपृत्ति की निथि तक के बीच के समय के लिये पत्ती चकाये जने योग्य व्याप्त प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव कान बिना सभावय कैंकिंग सूर्वों के माध्यम से भारत में सन्बद्ध आयासक के बैक के साथ आपने द्वारा निर्णीत किए आएंगे।

बैको के अन्य खर्चे जिसमें सःखपन्न खांतने, रख-रखात माने और साख पत्ने को जाना करने और सीदा संबंधी दस्तायें जो के संवालन में संबंधित और यदि कोई हो, तो, विदेशी संभरको के वेवरों के खर्चे भी विदेशी नाभी क/ अग्यातक का ता देने पर्ने और इसलिये अति तर द्वारा उनका भूगतान नहीं किया आगात और इसलिये उन्हें सीवे ही आयातक या संभरको में प्राप्त किया आगे। इस प्रकार ऐसे भूगतामी को प्रतिपृत्ति का दादा आ ई सी एक में तके किया जा सकता। और ही आया कोई मुगतान करें और आपको उनका अग्वायकों की जाए उनकी मुनता निर्धारित प्रपक्ष में इस महालय को भेजनी चाहिए।

यह प्राधिकार पत्न समुद्रपार संभरको के नाम में साधापत खोलने के लिये हैं। साखपत में बाद में किये जाने वाले सशोधन या इस प्राधिकार के मब्दे भविष्य के नए पाखपत इस संवानय से निरोप प्राधिकार प्राप्त किये बिना वैध नहीं होंगे।

यह प्राधिकार पस्न-----तक वैध रहेगा।

भवरीय,

लेखा अधिकरी

प्रति निम्नलिखित को प्रेरियत -

उनले अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनिध्य दस्तावेजों को ढिल घरी लेते से पहले निर्धारित वर पर और तरीके से अपने प्रैंगरों के माध्यम से एपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि अपनाद स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की जिलीवरी सीधे हो सीमा णुक्त और परनेन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पहने हो निर्धेय कि जाते च डिगे। बिरेगों राष्ट्रिकों द्वारा वी गई सेवाओं के लिये भुगतान के मामने में जैसे हो सम्बद्ध बीजक भुगतान के निर्धे आमोदिन हो आएं, निलीय कर बिथे आएं। निक्षेप कल्दी हा और छंफ से न करने पर ल इपेंस को पानौं में उल्लिखन आवश्यक कार्यकाहीं की जा सकती है

2. आयातक के बैंकर-------। उनमे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया टोकियों बांच से दस्त वेज प्राप्त करने पर 🍳 विदेशों संभरक की येन मुगत न के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्या करें संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8 आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 17,1.76 साअन्य ऐसी हो सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों की सुगत न करने की तिथि की प्रशा प्रवन्ति परिवर्तन की मिश्रिन दर पर की अप्बी। संभारक को भूगतान करने की निवि/ बैक आफ इंडिया को अक्रायगी की विधि और जिस विधि को सरकारो। लंबे में तृत्य रुपयः जमा कियः जण इनके बीच की अवधि के लिये प्रथम 30 दिनों के लिये 12% माल नः की दर से और 30 दिनों से अधिक के निये 13% सलान को दर से ब्याज का हिसाब लगाकर वह भी भारत सरकार के लेखें में सार्वजितिक सूचना स, 31 - आई टी नी (पीएन)/83, दिनांक 10 8.83 के अनुसार जमा करान हो।। ब्याफ दोनों दिनों अर्थात जिस दित विदेशी संसरक को भूगतान किया जाए और जिस दिन सरकारी लेखे में रूपका जना किया जाए, के निर्चुकाका जाएका। (इसि दर में यदि कोई परिवर्तन किया जायेगा तो उसकी सूचना दे दी जाएगी)।

यह धनराणि या नो भारतीय रिजर्ब बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीय हुआरोमें वालान के वाहिनो ओर कोड सं. 5130000009 वर्णीने हुए जमा करनो वाहिये । इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना मं. 184- आईटोमो (पीएन)/ 68, दिनाक 30.8.68, 233 आईटोमो (पीएन)/ 68, दिनाक 24 10.68, 132 आईटोसी (पीएन)/71, दिनोक 5.10.71 मं. 74- आईटोसी (पीएन)/74, दिनोक 31 5 74 एवं मं. 103 आई टो मी (पीएन)/76, दिनाक 12 10.76 में दिये गये पाव मानों की आर दिन या जाता है। वह लेखा मीर्ष जिसमें ध्या जमा कराना है 'के छिए।जिटम एंख एडवासिज-843- सिवल छिपोजिट-डियोजिटस फार परचेजिज एटमेट्रा अश्राध एंडर परचेजज अंडर केडिट/ लोन एग्रीमेंट"- लोन फाम वि गर्वनमेंट आफ जापान 1.63 बिलियन येन (पिरयोजना सहायता) मं. आई डेपिं। 31 फार 1984-85 है।

जिन मामलों में तुस्य रूपया रिजर्व बैक आफ इंडिया, नई दिस्ली या स्टेट बैक आफ इंडिया, तीस हिजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई टोमी (पंएन)/७। दिनाक ७.३० ७। के अनुसार नकद जमा किया काता हैं, उनके चाल न की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैक आफ इंडिया, टोकिया शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पर्ण। व पर्ण बियरण देने हुए अग्रेपण पन्न सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर मेर्ज जाएगी 🗀

> महायमा लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्स मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) पहली मंत्रित युं की आ वैंक बिल्डिंग, सगद मार्ग म्रीदिल्ली'⊶ । 1000।

जिन माधलों में तुल्य रुपया अपर संकेतिक सावेजनिक सूचना स दिनांक 21.10 68 में यथा उत्प्रित्यित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषिय करना है उसकी सूलनाणं उपर्युक्त पने पर भेजी जानी काहिए। सभी मामलो में, जमा किये गये मुल्य रूपये का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए ।

संभरक को भगतान करने की सिथि और ओईसी एक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियों को उसकी अदायगी की निथि के बं"च की अविध के लिये क्षेत्र आफ इंडिया, टोकियो का देव क्याज प्रभार आपके हारा सामान्य बैन सूक्षों के साध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इडिया, टोकियों के साथ निर्णीत किये जायेगे।

- निदेशक, ऋण विकास-2 समक्रपार आर्थिक सहयोग निधि, टेकवसी म्पुडी बिल्डिंग, 4-1, आहाटमेची-1- कोमे, चियौडा-कृ टोकिया-100 जापान।
- 4 भारतीय द्तावाम टाकियो।
- अवर सचिव जापान अनुभाग बित्म मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई विल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुबंध-- 4

(प्रथन तो. ई. सी. एफ. एल सी.)) अपरिवर्गनीय गाख पव (माल के लिए लाग्) दिनान

सेवा मे,

यह साम्बन्ध (ऋणी और जिन्देशी श्रार्थिक सहयोगनिधि के बीच ह्यां ऋणा करार संब दिनीक धनगरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करने है कि हमारे नाम में निकालने के लिए बैंगार क पुरे मूल्य के लिए दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध रनाम या रक्षमी के लिए 1 हमने ग्रपरिवननीय साखपत्र स० खोल दिशा है जा ····ंचेन(···ः ' येन अहं सकते हैं) की कृत धनराणि में ग्रुटिक नहीं है । इसे निम्नलिखिन दम्नावेश के साथ भोभा जाना है.---

हस्ताक्षरिन वाणिज्यिक बीजक

क्लीन भान बोर्ड, समुद्री पोत लदान बिल जिनमें दिए गए बादेशो का पूरा सेट हो बैंक पृष्ठांकिन एवं चिन्तिन "क्रेट एयं नोटिफाइ"

धन्त्र **द**स्तावेज जिसमें '' ' · में ल्बान का सत्यापन विया गया हो (विदा मं० '' ' (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षित विवरण प्राणिक पोतलदान स्वीकृत है बाहतस्तरण स्वीञ्चन है।, , , ।

पोतलदान बिल जो 😬 'से बाद की तिथि का नहीं होना भाहिए । ५ तकः अवस्य प्रस्तुत किए काने चाहिए।

दस केंद्रिट के प्रकार्गन सभी इपिट और बम्नाबेजों पर यह अकन टाना चाहिए -

ंग्रपरिवर्तर्नथ साखपव स दिनोक . . 19 अन्तर्गत निकलवाया गया और ग्रायात संदर्भ म० (संख्याएं) यदि कोई हा यह त्रेचिट हम्स्तान्तरणीय नहीं है। "

हम एतद्द्वारा बचन देते है कि इस क्रेडिट के अतर्गत और इसकी णर्ती का ग्रम्पालन करके जोरी किए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेणती को दस्तवेजों की सुपुर्दगी पर विधियम् रखीवः।र किए

जस तक बन्ध्यथा रूप में विस्तार पूर्वक न बनाया आए यह केडिट युनिफार्म कम्टम एंड प्रेक्टिस फार डाक्मेंट्ग केडिट्स [1974 रियोजन] इन्टरनेणनल चेम्बर आफ कामम पब्लिकेशन सं० 290" के अधीन है ।

सौदा करने वाले बैकी के लिए विशेष अनुदेश .--1. उपर्युवन ऋण करार के अंतर्गत जारी किए गए बचेन पत्न की व्यवस्थाओं के प्रनुसार थिवेंकी प्रार्थिक सहयोग निधि से प्रपने भुगतान के लिए प्रति-पूनि प्राप्त करने के बाद हम बचन देते है कि हम सौदा करने वाले बैक दवारा जारी किए गए अनदेशों के अनसार ड्राफ्ट की धनराशि को नौटा देगे ।

े दापट और दस्ताबेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रमाणपत्र यह बताने हुए जेन-देन करने जाले बैंक द्वारा हमें भेजे जाने चाहिए । कि शेष दस्तावेज संधि ही हवाई डाक डारा को भेज विष् गए हैं।

। इस बोडिट वे अंतर्गत बैंक के मभी खर्चे भाषानक/संभाग के भेखें के लिए हैं।

> भववीय वाणिज्यिक बैक द्वारा०'' ' प्राधिकत हस्याक्षर

> > भन्बन्ध--- 5

प्रपत्न ओ ई सी एफ-एल सी-II

विनोक

ग्रपरिवर्शनीय माख्यपत (सवाओं के लिए लागू)

| | • | यह सा | ख पत्न | ऋणी | और |
|---|---|--------|---------|----------|------|
| | | विवेशी | भ्राधिक | सहयोग | નિધિ |
| • | ٠ | के बीच | हुए ऋण | करार संव | |

ं ं ' ' ं ं ं दिनौकः ' ः (संस्कल, क्यानाम व पना)

.

. के प्रनमरण में

जारो किया गया है।

पित्र महोदयं

ात है

हम भापको सूक्षित करने है कि हमारे नाम में निकालने केलिए पूर्ण ब्योरे मूल्य के लिए लाभकारी ब्रापट एट साइट द्वारा उपलब्ध

351 GI/85-2

| रक्षम या रक्षमों के लिए धापने नाम में हमरे प्रपाचनिनीय माखपत | भगतान की घनुमूची | | |
|--|--|--|--|
| संवार प्रकार प्रकार दिया है जो येकार प्रवास के प्रविक्त प्रकार से प्रविक्त नहीं है। | यह भूगतान श्रनुसूची हमारे माख पत्न मं ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः | | |
| મારા હૈં! | 1 प्र ^{ार} िभक भृगतान | | |
| इसमें संलक्ष्म भूगतान अनुसूर्ण के उत्तमार अपेक्षित (सविदा | धनगणि '''' येन | | |
| ं और परियोजना ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं ं | कुल संविद्या मृत्य का ' ' ' प्रतिशत है । ग्रपेक्षित वस्तावेश लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि | | |
| से पहले प्रस्तुत किए आने काहिए । | 3 भुगशन वृद्धि सम्पूर्ण योग की धन•ाधिः ः ः ः ः वेन | | |
| सभी ब्राफ्ट और वस्ताबेज् प्रापिरसर्वनीय माख पत्न सं० : ' ' ' | कुल संविदामृत्य का ं ं ं ं प्रतिणत | | |
| ः विनांकः ः ः ः ः ः के ग्रन्नर्गतः भुनाः लिए गए हैं मे चिन्हित होने चाहिए । | निम्ल प्रकार से भुगतान किय जाना है | | |
| 26 | देन धनराणि श्रन्तिम भुगतान तिथि | | |
| यह त्रेडिट हस्तान्तरणीय नशी । | मेन ''' ' '''' '''' '''' | | |
| हम एतदद्यारा वचन देते है दिः इस फेडिट के अतर्गन इसकी | पह्ला किस्त येन∵∵∵ः येन ∵∵ः ः ः | | |
| मनौ का प्रमुपालन करके भुनाए गए. सभी हु,फ्ट प्रस्तुन करने पर | दूसकी किस्त मेन ''''' ' येन ''''' | | |
| और मादेशिती को दस्यविजों क सुपुर्दर्गः पर विधिवत् स्वीतार किए जाएंगे । | (प्राधिकारो) | | |
| जस तक प्रन्यशारूप से विस्तार पूर्वत न बताया जाए यह प्रेडिट | अपेक्षित द∸लाजेज किए गए: (आर्यो अथवा उसके समीनीत | | |
| "यूनिफार्म कम्टम एंड प्रेक्टिम फार डाक्सेटर्र केडिट्स (1974 रिवीजन) | प्राधिकारी) द्वारा आरी किए | | |
| इन्टरनेशनल जैम्बर प्राफ कामसे नं० 290" के ग्रर्धन है। | गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपन्न संकान है। | | |
| | न्ष्पादन का विश्वरण | | |
| सीदा कर वाले बैंक को धियोष अनुदेश : 1. इसमें संलग्न | विनाँकः | | |
| प्रपन्न के अगुमार (ऋर्णा और इसके मनीने ते ग्राधिकारी) द्वारा आरी | संबर्भ ' ' ' ' | | |
| किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राध्नि के पण्यान् इस केडिट के अंतर्गत भुगतान ष्टममें संलक्ष्त भीट में निर्धारित भुगतान श्रमुसूची के | सेवा में | | |
| अनुसार किए जाने जाहिए । प्रारम्भिक भुगतान के मामने में उपयुक्त | *** | | |
| निष्पादन के वित्ररण के खजाए लाभकारी विवरण की श्रावध्यकता है , | | | |
| क्यर उल्लिखित ऋण समझौते के प्रधीन जारी किए गए | (संभरका का नाम और पता) संदर्भः — ऋषा करार सं० ः के ध्रन्तर्गतः ः , परियोजना से संबंधितः ः के नाम में | | |
| वनसबब्धता पन्न के उपबंधों के अनुसार विदेशी आधिक सहयोग निधि है अपने भुगतातों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के याद हम ज़पटों की धनराशि का लेस-देन करने वाले बैंक ब्वारा जारी किए गए अनुदेशों | | | |
| के भ्रतुसार परेषित करने का बचन देते है। | किक्क गए साम्न पत्न की सं० '''' ''' दिनांक '''' | | |
| उ. उपयुक्त मद 1 में या यथा उत्तिविधा द∈⊓वेज, की एक प्रति | ·· # ग्रह्मोहस्ताक्षरी प्रतिनिधि (ऋणी) एतद्द्धारा · · · · · · · के बीच समझौता सं, | | |
| भीर ससीवे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेर आएमे। | े दिना ज्ञार भे निहित्त भुजान की शर्तों के श्रनुमार समद्रपार श्रीथक महायना जिधि दवारा | | |
| 4 इस साख के अंतर्गन बैंक के सभी खर्चे गंजिकां को लेखे के | ममुद्रपार श्रायक सहायता तात देवारा की धनराणि ('''' येन केवल) | | |
| निए हैं। | प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन दिवरण गारी करना हं | | |
| भवदीय, | () (ऋणो) | | |
| 1-d C - 4 . | द्वारा | | |
| (बाणिष्यः अंग) | (प्राधिकृत हस्ताक्षर) | | |
| #************************************* | किन्नेय ग्रासदेश | | |

वास्तविक नित्पादन का विवरण इसमें संलग्न पक्ष में दशीया आएगा।

(प्राधिकृत हम् तक्षर)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL PUBLIC NOTICE NO. 16-ITC(PN)|85-88

New Delhi, the 14th June, 1985

Subject: Licensing Conditions in respect of imports of goods and services under the Yen Credit of Yen 1.63 Billion for the implementation of the Eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar State Hydro Electric Power Corporation Limited (BHPC) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. 1PC|23(17)|84-85,—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the -1.63 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar trate Hydro Electric Power Corporation I td. (BHPC) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

S. I. TRIPATHI, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE OF PUBLIC NOTICE NO. 16-ITC(PN) 85-88, DATED THE 14TH JUNE, 1985

Licencing conditions in respect of Imports of Goods and services under the Yen credit of Yen 1.63 billion for the implementation of the eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar State Hydro Electric Power Corporation Limited (BHPC) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions

- 1 (i) The Yen Credit of Yen 1.63 billion extended by the Overses Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Fastern Gandak Canal Hydro-Electric Project of the BHPC is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.
- I (ii) Import Licence (s) under the Credit can be issued only of such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 1.8 billion (CJF).

The rupce value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Reveue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN) 74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCINF, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to

the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P31". The first and second suffix to the licence code will be "SJJC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence to BHPC, a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

- I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of BHPC on CIF basis.
- I (iv) Depending on the convenience of BHPC more than one import license may be issued under this credit, but he total value must not exceed Yen 1.8 billion (CIF) as specified at (i) above
- I (v) Licences for import of Capital Goods may be issued with an initial validity period of 24 months. Any request for extension issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt, of E.A. (Japan Section).
- I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.
- I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment forwards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.
- I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupces. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. On Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.
- I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licencee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be related by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance,

North Block, New Delni who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits, of the rupee equivalent, etc in respect of supply contracts entered into under the import licence.

- I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e, on presentation of shipping documents No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows:
 - ".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of......".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-88.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB|C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

- II (ii) The procurement of all goods and services to be financed under the OECF Yen Credit for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project shall be made in accordance with the Guidelines for procurement under the OECF Loan.
- (a) The importer shall procure goods and services to be financed out of the proceeds of the loan through Formal Open International Tendering.
- (b) The importer shall obtain the prior approval of the Fund if the importer wishes to adopt procurement procedures other than Formal Open International Tendering submitting to the Fund and Application for Approval of Procurement Method(s) signed by a duly authorised person, through the Department of Economic Affairs.
- Il (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. 1D-P31 for 1984-85 the details of which are given in Section VII below.
- II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department

of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import liceney.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be notionals of the eligible source countries, or jurisdical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the rligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials orginating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:

Imported CIF Price+Import Duty × 100
Supplier's FOB Price

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

Il (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

- 1, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30 per cent) in accordance with the following formula:

Imported CIF Price+Import Duty × 100 Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

- III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract:
 - (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 26th December 1984 concerning the Yen Credit No. 1D-P.31 (Project Aid) for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project of BHPC and will be subject to the approval of Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund.
 - (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under

- the Loan Agreement No. ID-P.31 dated 26th December, 1984 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Ciedit arrangements by the Government of In lin on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triphcate) in the forms indicated in H (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Fokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be plade. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cubic advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo,

Section IV—Contract Approval by OECf-

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licencee should forward 4 copies of the contract duly signed by both BHPC and—the suppliers supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence, to Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract documents to the OECF for their approval for financing under Yen Credit No. 1D-P.31 (Project Aid) for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project of the BHPC.

Section V—Payment to the overseas suppliers—

Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the intimation of the contract approval from the OECF, by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, BHPC and the CAA & A will be informed of the same. Whereafter the BHPC should approach the Controller of Aid Accounts & Audit, (hereinafter referred to as CAA & A), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi with a request in the form attached as Annexure-III for issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached

as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overscas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, BHPC, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF. Embassy of India. Tokyo, the importer's bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would inso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the GECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with RFIMBURSF-MENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI-Responsibility for rupec deposit :-

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated $\omega 12$ per cent per annum for the first 30 days and ω 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both

the days i.e. the day on which payments is made to the Overseas Supplier and also the day on which ruped deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|74 dated 12-10-1976.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC(PN) | 74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN) | 76 dated 17-7-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&L or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843-Civil Deposits---Deposits for purchase etc. abroad—purchase under credits Loan agreements. Loan from the Government of Japan—1.63 Billion Yen Credit No. 1D-P. 31 for the Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN) |68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN) |68 dated 24-10-1963, No. 132-ITC(PN) |71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN) |74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) |76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No 132-ITC(PN) |71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances

and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currently in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note: Importer's Bank in India should ensure that the rupce deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII---Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licencee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licencee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licence shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 31 wit the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure—I—List of eligible source countries
Annexure—II—Request for issue of Letter of
Authority.

Annexure—III-Form of Letter of Authority.

Annexure—IV—Form of Letter of Credit (Applicable to Imports).

Annexure—V—Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt.

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of

Angola

Botswana

Burundi

Camereon

Cape Verde Islands

Central African Rop.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of

Dahomay

Equatorial Gumea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagary Republic

Malawi

Mali +

Mauritania, Mauritius

Moozambique.

Niger

Portuguese Guinea

Reunion

Rhodesia

Rwanda

1. Formerly the territory of Spanish Guniea, including the Island of

St. Helena and dep(2)

Sao Tomo and Principe

Senegal

Seychelles

Sierra Leone

Somalia

Sudan

Swaziland

Terro, Afars and Issas

Togo

Uganda

Un. Rep. of Tanzania

Upper Volta

Zaire Republa

Zambia

III. AMERICA, North and Con-

Bahamas

Barbodos

Belize

Bermuda

Costa Rica

Cuba

Dominican Republic

El Salvador

Guadelope

Guatemala

Haiti

Honduras

Jamaica

Martinique

Mexico

Netherlands AnTilles

Nicaragua

Panama

St. Pierre & Miquelon

Trinidad and Tobago.

2. Including the following

Islands: Ascension,

Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gaough.

3. Main Islands, Aruba, Bonaire, Curação, Saha, St. Eustacit St. Martin (Southern part).

----AMERICA, North & Central Singapore (Continued) Taiwan West Indies (Br.) n i.e. Thailand Timor (a) Associated States (1) Viet-Nam, Rap. of (b) Dependencies (2) Vict-Nam Dem. Rep IV. AMERICA, South VIII. OCEANIA Agrentina Coek Islands Bolivia Fiji Brezil Gilbert & Ellice Is. Chile Frencho Polynesia (5) Colombia Nauru Falkland Islands New Calendonia French Guiana New Hebrices (Br. and In Guyana Niue Paraguay Pacific Islands (US) (C) Peru Papua New Guinea Surinam Solonon Islands (Br. Uruguay Tonga ASIA, Middle East Wallis and Futuna Bahrain Western Sarroa Israel IX. EUROPE Jordan Cyprus Lebanon Gibralt ar Oman Greece Syrian Arab Republic Malta United Arab Emirates (3) Spain Yemen Arab Republic Turkey Hemen, Peoples D.R. (4) Yugoslavia VI. ASIA, South 1. Main Islands: Antigue, Domínica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe). Nevis-Anguilla. St. Lucia and St. Vincent. Afghanistan Bangladesh 2. Main Islands, Montserrat, Cayman, Turks and Bhutan Caicos, and British Virgain Islands, Burma 3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, India Sharjah and Umma al Quaiwain. Maldivis 4. Including Aden and various subanates Nepal emirates. Pakistan 5. Comprising the Society of Islands (including Sri Lanka Tahiti) The Austral Islands, the Suamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands. VII. ASIA, Far East 6. Trust Territory of the Pacific Islands: Caro-Brunei line Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam). Hong Kong Khmer Republic (a2) Member or Association Countrie; of OPEC Korea, Republic of Eaos Algeria Macao Bolivia Malaysia Libyan Arab Republic Phillipines

Gabon

Nigeria

Ecuador

Venezuela

Jran

Iraq

Kuwait

Oatar

Saudi Arabia Abu Dhabi

Indonesia

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

Nr.

Date:

То

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Inco Bank Building, 1st Floor, Pathament Street, New Delhi-110001.

Sur Import of tom Japan under the Yen Credit No. ID-P. 31 (Project Aid for 1984-85)

Sir,

- (a) Name and Address of the Indian Importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is a based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.

- (k) Name and address of the Overseas Supplier:
 - (i) Nationality
 - (ii) Percentage of the shares held by Nationls of the eligible source countries.
- (iii) Nationality of the representative and/or President of the supplier.
- (iv) Percentage of Directors who are nationals of eligible source countries.
- (1) Payment terms and probable date on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment|part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges public to Bank of India, Tokyo for operamaintenance of Letter of Crediborne by the Importers or Supp
- (s) Undertaking by the importer :---

"We hereby undertake to make full correct deposit of the rupee equivalent exof the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the toreign suppliers are approved by us and the Payments made to the suppliers."

ANNEXURE 11

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India
MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India, Tokyo Branch, Tokyo (Japan)

Subject: Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P. 31—Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of entered into with your the agreement dated Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen —favouring M|s.

as per attached details.

A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the Importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately re-imbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OFCF.

As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

This Letter of Authority is intended for opening of L|C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L|C or further fresh L|Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

This Letter of Authority will remain valid upto-

> Yours faithfully, (Account Officer)

Copy forwarded to :--

with reference to their letter dated...... Importer—

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importer's Banker————. They are requested to arrange to deposit the rupes equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on recent of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-76 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier; date of rembursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right and corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi, In this connection their attention salso invited to the provisions of the Public Notices No 184-ITC(PN) | 68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN) | 68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) |76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit|Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 1.63 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID--P.31 for 1984-85.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132—ITC(PN) 71 dated 5-10-71, should be sent by them to address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OFCF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

- 3. The Director, Loan Department-H, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.
 - 4. Embassy of India, Tokyo.
- 5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE IV Form OECF-LC I Irrevocable Letter of Credit (Applicable for Goods)

(Applicable for Goods) Date

To,

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No—Dated——between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No- -- (if any) from Partial shipments are permitted. Transipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Draits must be presented for negotiation not later than All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated and Import Referee No. (s) (if any) This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision). International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating bank:

- 1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONO-MIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the letter of Commitment issued, thereby under the abovementioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
- 3. All banking charges under this credit are for the account of importer supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By:————

(Authorized Signature)

ANNEXURE V
Form OECF-LC II
Irrvocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

| Γo, | |
|-----|--|
| | |
| | |

(Name and address of the Supplier)

Date

Dear Sirs.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No.

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawce. Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

- 1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
- 2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commutment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
- 3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
- 4. All banking charges under this credit are for the account of the importer supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank) 3v : (Authorized Signature) PAYMENT SCHEDULE This payment schedule constitutes an integral part of our 4. Initial Payment Amount Yen being of the total contract Required documents: beneficiary's Statement Latest presentation date: II. Progress Payment Aggregate amount: Yen----- price to be paid as follows: Amount due Latest presentation 1st Instalment : Yen-2nd Instalment Yen-...... A copy of State of Performance Required document : issued by (Berrower or its designated authority), a form of which is attaced hereto.

| Statement of | Performance |
|---|---|
| | Date Ref. No |
| To, | |
| | _ |
| (Name and Address of th | _ e |
| Supplier) | |
| issued by | No.———————————————————————————————————— |
| | tg |
| a Statement of Performance to Yen———————————————————————————————————— | enting (Borrower), hereby issue entitle———to receive the sum of only) from THF OPERATION FUND in accordstipulated in the Contract No.—————between—————————————————————————————————— |
| | (Borrower) |
| | В): |
| | (Autorized Signature) |
| | |
| Special Instructions: The details of the actual pe sheet attaced hereto. | rformance shall bo stated in the |
| PAYMENT TERMS | |
| This payment terms constr Letter of Credit No. | ntutes and integral part of our |
| I. Initial Payment | |
| Amount ; | -% of to total contract price. |
| | - 70 of the total contract price. |
| Required documents: Latest presentation date: | |
| Zatovi propostavia anto , | |
| II. Intermediate Payment (if a | ny) |
| Amount: Yen | ° of the total contract |
| Required documents ; | |
| Latest presentation date: | |
| H. Payment against Shipping D | Oucuments |
| Amount : Yen- | -% of the total contract price. |
| Note: Tis attached sheet is not | required in case of full payment |

against shipping documents.